



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

PUBLISHED BY AUTHORITY

प्राधिकार से प्रकाशित

सं० 127] नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 17, 1977/फाल्गुन 26, 1898

No. 127] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 17, 1977/PHALGUNA 26, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 17th March 1977

S.O. 240(E)/18FB/IDRA/77—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Heavy Industry) No. S.O. 146(E) dated the 19th March, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments entered into, given or made, as the case may be before the 15th February, 1974, to which the industrial undertaking known as Messrs Britannia Engineering Works (Wagons Division), Mokameh, in the State of Bihar or the company owning such undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or company and in force immediately before the date of issue of the said Order shall remain suspended upto the 18th March, 1976, and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date, shall remain suspended upto the 18th March, 1976.

(1201)

And, whereas, by the Order of the Central Government in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 183(E) dated the 9th March, 1976, the duration of the said Order was extended upto and inclusive of the 18th March, 1977;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto the 18th March, 1978;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto the 18th March, 1978.

[No. F. 4/2/73-CUC]

A. K. GHOSH, Addl. Secy.

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 17 मार्च, 1977

का० आ० 240(अ)/18 च ख/उ वि वि अ 77.—भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) के आदेश सं० का० आ० 146 (अ), तारीख 19 मार्च, 1975 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए घोषणा की थी कि 15 फरवरी, 1974 से पूर्व यथास्थिति, की गई या दी गई सभी सविदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण पत्रों, करारों, समझौतों, पंखाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का, जिनका बिहार राज्यो में मैसर्स ब्रिटनिया इंजीनियरिंग वर्क्स (वैगन्स डिविजन), मुकामा नामक औद्योगिक उपक्रम या ऐसे उपक्रम का स्वामित्व रखने वाली कम्पनी एक पक्षकार है या जो उक्त औद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू हो और जो उक्त आदेश के जारी होने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त हो, प्रवर्तन 18 मार्च, 1976 तक निलम्बित रहेगा, और उक्त तारीख से पूर्व उनके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं तथा दायित्व 18 मार्च, 1976 तक निलम्बित रहेंगे ;

आदेश संख्या का० आ० 183 (अ) तारीख 9 मार्च, 1976 द्वारा और केन्द्रीय सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के उक्त आदेश की कालावधि 18 मार्च, 1977 तक जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है बढ़ा दी गई थी और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि 18 मार्च, 1978 तक और बढ़ाई जानी चाहिए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65), की धारा 18 च ख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त आदेश की अवधि 18 मार्च, 1978 तक बढ़ाती है।

[सं० का० 4/2/73-सी यू सी]

अ० कु० घोष, अपर सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977